DAY — **15** SEAT NUMBER | | | | | | |

2025	III	03	1500	**J-367**	(H)

PHILOSOPHY (46)

Time : 3 Hrs. **(4 Pages)** **Max. Marks : 80**

सूचना : *(१) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*

(२) दाहिनी ओर के अंक पूर्ण गुण दर्शाते हैं।

(३) प्रत्येक प्रश्न के उत्तर का प्रारंभ नए पन्ने पर कीजिए।

प्र . १. **(अ)** कोष्ठक में दिए गए विकल्पों में से उचित शब्दों द्‌वारा रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए : (६) **[२०]**

(१) सत्यता के ——— सिद्‌धांत के अनुसार जिस विधान के आधार पर की गई कृति यशस्वी होती है, वह विधान सत्य होता है।
[अनुरूपता, फलप्रामाण्यवाद, सुसंवाद]

(२) बौद्‌ध दर्शन के अनुसार ——— यह सत् का आवश्यक गुणधर्म है।
[शुद्‌धत्व, अनित्यता, नित्यता]

(३) ——— के अनुसार कलाकृति ही अनुकृति है।
[प्लेटो, क्रोशे, टॉलस्टॉय]

(४) अन्य जीवों में भी मनुष्य जैसा ही चैतन्य है इस मान्यता को ——— विचार कहते हैं।
[मनुष्यकेंद्री, जीवकेंद्री, निसर्गकेंद्री]

(५) ——— इस परंपरा में सम्यक् (right) श्रद्धा, सम्यक् ज्ञान और सम्यक् आचरण इन्हें त्रिरत्न से जाना जाता है।
[बौद्ध, चार्वाक, जैन]

(६) ——— को आधुनिक दर्शनशास्त्र का आदि पिता कहा जाता है।
[स्पिनोझा, रेने देकार्त, हेगेल]

(ब) निम्नलिखित शब्द / शब्द समूहों में असंगत शब्द / जोड़ी को अलग करके लिखिए : (४)

(१) कचरा, प्रदूषण, वनस्पति, राख

(२) स्पिनोझा, देकार्त, बर्कले, लायबनित्ज़

(३) चार्वाक, जैन, अद्वैत वेदांत, बौद्ध

(४) जड़वाद, वास्तववाद, असत्कार्यवाद, चिद्वाद

(क) निम्न दिए हुए संकल्पना चित्र / मानचित्र तालिका / प्रवाह तालिका पूर्ण कीजिए : (६)

(१)

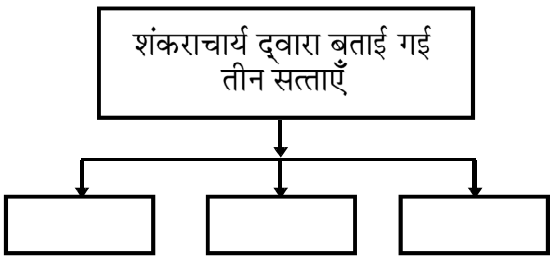

(२)

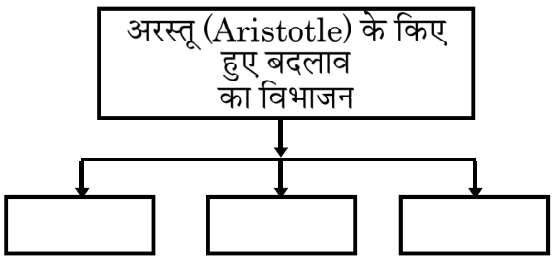

(ड) निम्नलिखित प्रत्येक विधान के लिए उपयोग की जाने वाली दर्शनशास्त्र की संज्ञाएँ लिखिए: (४)

(१) संपूर्ण विश्व को एक साथ बाँध कर रखनेवाला तत्त्व।

(२) ज्ञानेंद्रियों और वस्तुओं के संपर्क से होने वाला निश्चित, दोषमुक्त और सत्य ज्ञान।

(३) 'चैतन्यविशिष्ट देह एवं आत्मा' चार्वाक की इस भूमिका के लिए उपयोग की गई संज्ञा।

(४) जिस कला के निर्माण का हेतु उपयुक्तता नहीं बल्कि आस्वाद है ऐसी कला।

प्र. २. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर २० से २५ शब्दों में लिखिए (कोई पाँच) : **[१०]**

(१) सूक्ष्म कणों के कारण विश्व में कौन से बल उत्पन्न होते हैं?

(२) प्लेटो के अनुसार शरीर में बद्ध हुए आत्मा के भाग कौन से हैं?

(३) 'अर्थ' पुरुषार्थ किसे कहते हैं?

(४) तंत्रज्ञान किसे कहते हैं?

(५) अनुमान किसे कहते हैं?

(६) आरंभवाद किसे कहते हैं?

(७) कला के प्रमुख घटक स्पष्ट कीजिए।

प्र. ३. संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए (कोई तीन) : **[९]**

(१) मोक्ष पुरुषार्थ

(२) कला प्रकार

(३) 'एन्टिलेची'

(४) रेने देकार्त की 'स्व' (आत्मा) विषयक कल्पना

(५) जैनों के पंचव्रत

प्र. ४. (अ) अंतर स्पष्ट कीजिए (कोई दो) : (६) **[१६]**

(१) सौंदर्यवादी दृष्टिकोण और ज्ञानकेंद्री दृष्टिकोण

(२) सत्कार्यवाद और असत्कार्यवाद

(३) जैनों की 'स्व' विषयक कल्पना और अद्वैत वेदांत की 'स्व' विषयक कल्पना

(४) सत्यता का अनुरूपता सिद्धांत और सत्यता का सुसंवाद सिद्धांत

(ब) निम्नलिखित विधान 'सत्य' हैं या 'असत्य' यह सकारण बताइए (कोई पाँच) : (१०)

(१) बौद्ध दर्शन ने निष्काम कर्म करने के मार्ग का प्रतिपादन किया है।

(२) अरस्तू के अनुसार सिर्फ़ विशिष्ट का विश्व ही अस्तित्व में है।

(३) सजना/सजाना यह कृति सिर्फ़ मनुष्यों तक ही सीमित नहीं है।

(४) बेंथॅम ने सुखवादी कलन बनाया है।

(५) ह्यूम के अनुसार कार्य कारण संबंध में अनिवार्यता होती है।

(६) पारमेनिडिस के अनुसार सत् परिवर्तनशील है।

(७) व्यक्तिनिष्ठता यह वैज्ञानिक ज्ञान का गुणधर्म है।

प्र. ५. निम्नलिखित संकल्पना/विधान ८० से १०० शब्दों में उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए (कोई दो) : **[१०]**

(१) पंचस्कंध

(२) ऋण संकल्पना

(३) अरस्तू का चतुर्विध कारणता सिद्धांत

प्र. ६. निम्नलिखित तात्त्विक संकल्पना / समस्या / अवसर को संबोधित करते हुए संवाद लिखिए (कोई एक) : **[५]**

(१) अच्छा जीवन व्यतीत करने के लिए तंत्रज्ञान से होने वाले लाभ और हानि बताने वाला दो छात्रों के बीच होने वाला संवाद।

(२) भारतीय कला संबंधी कलाकार और रसिक के बीच होने वाला संवाद।

प्र. ७. निम्नलिखित किसी एक प्रश्न का उत्तर १५० से २०० शब्दों में लिखिए : **[१०]**

(१) जॉन लॉक का अनुभववाद सविस्तार स्पष्ट कीजिए।

(२) चार्वाक और सांख्य के सत् विषयक विचार सविस्तार स्पष्ट कीजिए।

◆◆◆